कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगाव
बहि:स्थ शिक्षण आणि अध्ययन विभाग
Department of External Education and Learning (DEEL)

स्वाध्याय लेखन सूचना -

१. खालील प्रत्येक विषयाचे स्वाध्याय प्रश्न दिले असून त्यातील टीपा लिहा व सविस्तर उत्तर लिहा आहे.
२. प्रत्येक विषयांतर्गत २० गुणांचे स्वाध्याय आहेत. सर्व स्वाध्याय हस्तलिखितच असणे गरजेचे आहे.
३. सर्व स्वाध्याय जमा करण्यासाठी अंतिम मुदत फेब्रुवारी अखेरपर्यंत आहे. त्यानंतर कोणतेही स्वाध्याय स्विकारले जाणार नाही याची नोंद घ्यावी.
४. स्वाध्याय सादर करतांना आपले नाव, शिक्षणक्रमाचे नाव, वर्ष, PRN NO, Mob. No. याप्रमाणे मुखपृष्ठ तयार करून प्रत्येक विषयासोबत जोडणे आवश्यक आहे.
५. स्वाध्याय स्वत: जमा करू शकता किंवा पोष्टाने खालील पत्त्यावर पाठवू शकता.

स्वाध्याय सादरीकरण मुखपृष्ठ नमुना (Home Assignment)

Assignments Presentation Front page Format

विद्यार्थ्याचे नाव :-
(Student Name) :-
कायम नोंदणी क्र. (PRN) :-
विषयाचे नाव :-
(Subject Name) :-
शिक्षणक्रमाचे नाव :-
(Programme Name)
अभ्यासकेंद्राचे नाव :-
(Name of Study Center)
दूरध्वनी /मोबाईल क्र. :-
(Phone/Mobile No.)
जमा करण्याची वर्ष व महिना :-
(Year & Month of Submission)
विद्यार्थ्यांची सही :-
(Student Signature)

स्वाध्याय पाठविण्याचा पत्ता
मा. संचालक,
बहि:स्थ शिक्षण आणि अध्ययन विभाग,
उमविनगर, पोस्ट बॉक्स नं. 80
कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ जळगाव,
425001
दूरध्वनी क्र. 0257 - 2257495 / 2258496
E-Mail ID: - ideal@nmu.ac.in

प्रथम वर्ष एम. ए. हिंदी
स्वाध्याय प्रश्न
पेपर -१
आधुनिक गद्य

एकूण गुण - २०

प्र. १) दिर्घोत्तरी उत्तर लिखिए । (किन्ही दो प्रश्न)

1) "अरे राक्षस! यू यही करेगा न? पुलिस बुलाकर मॉ को पकडवाएगा, जेल भेजेगा? और मैं हूँ कि सुबह से शाम तक तुम्हीं लोगों के लिए हड्डे-हवन करर रही हूँ।"
2) हम क्यों नीच है और ये लोग क्यों ऊँच है?
3) जिन कुलवधुओं ने कभी द्वार की देहली पार नहीं की वे मैदान में कतार लगाए कब की बैठी है। धन्य।
4) सहज और शुभ कहानी द्वारा प्रकृति प्रेम का वर्णन कीजिए।
5) चुनाव के समय गाँव के वातावरण का चित्रण प्रभावक बना है- कथन की समीक्षा कीजिए।

प्रथम वर्ष एम. ए. हिंदी
स्वाध्याय प्रश्न
पेपर -२
विशेष स्तर- प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य

एकूण गुण - २०

प्र. १) दिर्घोत्तरी उत्तर लिखिए । (किन्ही दो प्रश्न)

1) के पतिआ लए जाएत रे, मोरा प्रियतम पास।
   हिए नहि सहए असह दुख रे, भेल साओन मास।।

   .....

   विद्यापति कवि गाओल रे, धनि धरू पिय आस।
   आओत तोर मनभावन रे, एहि कातिक मास।। पद क्र. ६६
2) काहे को रोकत मारग सुधो?
   सुनहू मधुप।..... लै ब्याज निबेरत ऊधो।।६३।। पद क्र. ६३
3) कौ जानै हवै है कहा, ब्रज उपजी अति आगि।
   मन लागै नैननु लगै, चले न मग लगि लागि।।१५।। पद क्र. १५।
4) गीतकाव्य की दृष्टि से विद्यापति की पदावली की समीक्षा कीजिए।
5) तुलसीदास की भक्तिभावना का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

प्रथम वर्ष एम. ए. हिंदी
स्वाध्याय प्रश्न
पेपर -३
भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र तथा आलोचना

एकूण गुण - २०

प्र. १) दिर्घोत्तरी उत्तर लिखिए । (किन्ही दो प्रश्न)

1) रीति और गुणों का संबंध स्पष्ट किजिए।
2) आ. क्षेमेंद्र के औचित्य-विषयक विचार विशद कीजिए।
3) कला कला के लिए वाद का महत्व समझाइए।
4) आ. भरतमुनि के रस-सुत्र को सोदाहरण समझाइए।
5) लोंजाइनस व्दारा प्रतिपादित उदात्त-सिध्दांत के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

प्रथम वर्ष एम. ए. हिंदी
स्वाध्याय प्रश्न
पेपर -४
कबीर

एकूण गुण - २०

प्र. १) दिर्घोत्तरी उत्तर लिखिए । (किन्ही दो प्रश्न)

1) पाणी ही तै हिम, भया, हिम हवै गया बिलाइ।
   जो कुछ था सोई भया, अब कछू कहया न जाइ ।।
2) मनिषा जनम दुर्लभ है, देह न बारंबार ।
   तख्रर थें फल झडि पडया बहुरि न लागै डार।।
3) झूठे सुख्र कौ सुख्र कहें, मानत है मन मोद।
   ख्रलक चबीणाँ काल का, कुछ मुख्र मैं कुछ गोद।।
4) निर्गुण भक्ति की विशेषताओं का विवेचन किजिए।
5) कबीर-काव्य की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए ।